Give me Back

You can be a rebel, O City,

But I want my solitude back.

You be the witness of thousands of those rallies,

Or arouse the roaring cheers

From the cafes of gatherings:

That's fine

I need my solitude back.

You can be rough like a stone

I need my emotions back.

If you can't soothe the sweat of your well-dressed people,

And embrace them with a cool breeze,

That's really fine

Just give me my emotions back:

O City, you can be biased to any specificity

I need my neutrality back.

The rich may worship you

And the poor may curse -

There's no harm;

I just need my introspection back.

You can be a princess, my City,

I just want the blue sky back:

You can dress up with the placards and banners of advertisements,

Or be an angel of beauty -

I just need the blue sky back.

O City, you may be an artist's canvas -

I'm really not bothered:

But let my child inhale fresh air

And feel the pure raw sunlight.

ফেরত চাই

কোলকাতা তুমি সংগ্রামী হও ক্ষতি নেই
আমার নির্জনতা ফেরত চাই।
তুমি হও শত শত মানুষের সংগ্রামী মিছিলের সাক্ষী
অথবা কফি হাউসে ঝড় তোলা
রাশি রাশি পেয়ালাব ঝঙ্কারের উৎস
ক্ষতি নেই,
আমার নির্জনতা ফেরত চাই।

কোলকাতা তুমি রুক্ষ হও ক্ষতি নেই
আমার আবেগ ফেরত চাই।
তুমি সুবেশ সুবেশার ঘর্মাক্ত শরীরে
এক ঝলক তাজা বাতাস দিতে না পারো
ক্ষতি নেই,
আমার আবেগ ফেরত চাই।

কোলকাতা তুমি একপেশে হও ক্ষতি নেই আমার অন্তর্দৃষ্টি ফেরত চাই। তুমি ধনীর চোখে রূপবতী আর ক্ষুধার্তের হৃদয়ের ঢ্যাড়া ক্ষত হও ক্ষতি নেই, আমার অন্তর্দৃষ্টি ফেরত চাই।

কোলকাতা তুমি সুন্দরী হও ক্ষতি নেই
আমার খোলা আকাশ ফেরত চাই।
তুমি পোস্টারে, প্ল্যাকার্ডে, ব্যানারে সুসজ্জিতা
অথবা ভিক্টোরিয়ার ডানাওয়ালা পরী হও
ক্ষতি নেই,

আমার খোলা আকাশ ফেরত চাই।

কোলকাতা তুমি পটে আঁকা ছবি হও ক্ষতি নেই ফেরত দাও আমার শিশুর দেহে তাজা বাতাস আর উলঙ্গ আলো।

वापस चाहिए

कोलकाता,तुम संग्रामी बनो,उससे कोई ऐतराज नहीं, मुझे मेरी निस्तब्धता वापस चाहिए। तुम गवाह बने रहों हज़ारों लोगों के संग्रामी जुलूसों के, या कॉफ़ी हाउस में तूफ़ान लाने वाले, कई प्यालों की झंकारों की उपज, ऐतराज नहीं, मुझे तो मेरी निस्तब्धता वापस चाहिए। कोलकाता,तुम कठोर बने रहो,कोई बात नहीं, मुझे मेरे जज़्बात वापस चाहिए। तुम सफेदपोश कर्मरत बाबुओं और मेमसाहबों के पसीने से लथ -पथ शरीर को, एक झलक ताज़ी हवा न दे सको, कोई बात नहीं, मुझे मेरे जज़्बात वापस चाहिए। कोलकाता, तुम , एकतरफा बने रहो,कोई बात नहीं, मुझे मेरी अंतर्दस्ति वापस चाहिए। अमीर की नज़रों में रूपवान और. भूखे के दिल के जखम बने रहो, ऐतराज नहीं। मुझे मेरी अंतर्दृष्टि वापस चाहिए। कोलकाता,तुम ख़ूबसूरत बनो, ऐतराज़ नहीं. मुझे तो खुला आसमान वापस चाहिए। तुम पोस्टरों,बैनरों,प्लेकार्डों में सुसज्जित रहो, या विक्टोरिया की सुन्दर परी बनो, ऐतराज़ नहीं, मुझे खुला आसमान वापस चाहिए। कोलकाता. तुम कलाकार के चित्र बनो, ऐतराज़ नहीं,पर. मेरे बच्चे के सीने को ताज़ी हवा और उन्मुक्त रौशनी वापस दो।